[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 6811 E **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 213161

Name of the Course : **B.A. (H) / B.Sc. (H) (Math.) (Qualifying Course)**

Name of the Paper : Sanskrit Language

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 100

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This question paper contains 7 questions.
3. **All** questions should be answered.
4. Answers may be written either in Sanskrit or Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में कुल 7 प्रश्न हैं।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. किन्हीं चार पद्यों की व्याख्या कीजिए : (4×5=20)

Explain any **four** of the following verses :

(i) प्रसह्य मणिमुद्धरेन्मकरवक्त्रदंष्ट्राङ्कुरात्
सभुद्रमपि सन्तरेत् प्रचलदूर्मिमालाकुलम्।
भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद् धारयेत्
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

P.T.O.

(ii) स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा
विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः ।
विशेषतः सर्वविदां समाजे
विभूषणं मौनमपण्डितानाम् ।।

(iii) शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक् छत्त्रेण सूर्यातपो
नागेन्द्रो निशिताङ्कुशेन समदो दण्डेन गोगर्दभौ ।
व्याधिर्भेषजसंग्रहैश्च विविधैर्मन्त्रप्रयोगैर्विषम्
सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम् ।।

(iv) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः ।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतं
विद्या राजसु पूजिता न हि धनं विद्याविहीनः पशुः ।।

(v) यद्धात्रा निजभालपट्टलिखितं स्तोकं महद् वा धनं
तत्प्राप्नोति मरुस्थलेऽपि नितरां मेरौ ततो नाधिकम् ।
तद्धीरो भव वित्तवत्सु कृपणां वृत्तिं वृथा मा कृथाः
कूपे पश्य पयोनिधावपि घटो गृह्णाति तुल्यं जलम् ।।

(vi) राजन् दुधुक्षसि यदि क्षितिधेनुमेतां
तेनाद्य वत्समिव लोकमनुं पुषाण ।
तस्मिंश्च सम्यगनिशं परिपोष्यमाणे
नानाफलैः फलति कल्पलतेव भूमिः ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पद्यों की व्याख्या कीजिए : (4×5=20)

Explain any **four** of the following verses :

(i) मय्यावेश्य मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते ।
श्रद्धया परयोपेतास्ते मे युक्ततमा मताः ।।

(ii) तेषामहं समुद्धर्ता मृत्युसंसारसागरात् ।
भवामि नचिरात्पार्थ मय्यावेशितचेतसाम् ।।

(iii) अथ चित्तं समाधातुं न शक्नोषि मयि स्थिरम् ।
अभ्यासयोगेन ततो मामिच्छाप्तुं धनञ्जय ।।

(iv) श्रेयो हि ज्ञानमभ्यासाज्ज्ञानाद्ध्यानं विशिष्यते ।
ध्यानात्कर्मफलत्यागस्त्यागाच्छान्तिरनन्तरम् ।।

(v) अनपेक्षः शुचिर्दक्ष उदासीनो गतव्यथः ।
सर्वारम्भपरित्यागी यो मद्भक्तः स मे प्रियः ।।

(vi) तुल्यनिन्दास्तुतिर्मौनी सन्तुष्टो येन केनचित् ।
अनिकेतः स्थिरमतिर्भक्तिमान्मे प्रियो नरः ।।

3. (क) प्रश्न संख्या 1 एवं 2 के रेखाङ्कित शब्दों में से किन्हीं सात का सन्धि-विच्छेद कीजिए । (7)

Split the Sandhi in any seven underlined words in Question No. 1 and 2.

(ख) निम्न में से किन्हीं आठ शब्दों में सन्धि कीजिए : (8)

Join any eight of the following :

हिम + आलयः, वीर + इन्द्रः, सूर्य + उदयः, ब्रह्म + ऋषिः, तथा + एव, प्रति + एकम्
शे + अनम्, नै + अकः, कपि + ईश्वरः, महा + औषधम्, सु + आगतम् ।

(ग) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं पाँच के सन्धिरूप शुद्ध कीजिए : (10)

Write correct Sandhi forms of any five of the following :

परम + अर्थः = परमर्थः	देव + इन्द्रः = देविन्द्रः
रजनी + ईशः = रजनेशः	तथा + एव = तथेव
इति + आह = इत्यह	भौ + अकः = भवकः
वधू + उक्तिः = वधुक्तिः	नर + उत्तमः = नरुत्तमः

4. भर्तृहरि के नीतिशतकम् के आधार पर "मूर्खपद्धति" पर प्रकाश डालिए । (5)

Throw light on "मूर्खपद्धति" on the basis of Bhartrihari's Nitishatakam.

अथवा / or

नीतिशतकम् के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए ।

Give a brief introduction to Bhartrihari's Nitishatakam.

5. भगवद्गीता के 12वें अध्याय में वर्णित कृष्ण-अर्जुन संवाद का वर्णन कीजिए । (5)

Describe the dialogue between Krishna and Arjuna in the 12th chapter of 'Bhagvadgita'.

P.T.O.

अथवा / or

भगवद्गीता के 12वें अध्याय के अनुसार भक्तियोग का वर्णन कीजिए।

Explain 'Bhaktiyoga' on the basis of the 12th chapter of Bhagvadgita.

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए : (13)

Write an essay in Sanskrit on any **one** of the following :

(i) मम प्रिय: कवि:

(ii) संस्कृतभाषाया: महत्त्वम्

(iii) परोपकार:

(iv) श्रीमद्भगवद्गीता

(v) मम महाविद्यालय:

7. निम्नलिखित में से किन्हीं छह का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (12)

Translate into Sanskrit any six of the following :

(i) राम खेलता है।
Ram plays.

(ii) तुम घर जाते हो।
You go to home.

(iii) गीता पुस्तक पढ़ती है।
Gita reads a book.

(iv) मैं हँसती हूँ।
I laugh.

(v) वह खाना खाता है।
He eats food.

(vi) लता जल पीती है।
Lata drinks water.

(vii) वह गाती है।
She sings.

(viii) मैं विद्यालय जाऊँगा।
I will go to the school.